



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 134]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, मई 20, 2010/वैशाख 30, 1932

No. 134]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 20, 2010/VAISAKHA 30, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मई, 2010

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सिलाई मशीन की सूइयों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत ।

सं. 14/10/2010-डीजीएडी.—यतः मै. एलटैक बायसल निडिल्स लि.-केलाम्बक्कम, काँची (जिसे एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) ने 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) तथा सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण हेतु) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियम कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें उन्होंने चीन जन. गण. (जिसे एतदपश्चात् "संबद्ध देश" कहा गया है) के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित सिलाई मशीन की सूइयों (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया है और संबद्ध वस्तु के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाने हेतु पाटनरोधी जांच शुरू किए जाने का अनुरोध किया है ।

2. और यतः प्राधिकारी ने पाया है कि चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति तथा पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबद्ध के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं और वे एतद्वारा किसी कथित पाटन की उपस्थिति, मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि जिसे यदि लागू किया जाए तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन एवं परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच प्रारंभ करते हैं ।

विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सिलाई मशीन की सूइयाँ हैं । विचाराधीन उत्पाद के दायरे में घरेलू तथा औद्योगिक दोनों प्रयोजनों के लिए अभिप्रेत सिलाई मशीन की सूइयाँ शामिल हैं । सिलाई मशीन की सूइयों के दोनों समूहों में से प्रत्येक के अंतर्गत अलग-अलग आकार एवं प्वाइंट शैली (सामान्य, बॉल प्वाइंट, लेदर प्वाइंट आदि) होती है । सूइयों के कई प्रकार होते हैं जिनका प्रयोग वोवेन, निट परिधान, चर्म, कशीदाकारी आदि की सिलाई के लिए होता है । विभिन्न सूइयों को "प्रणालियों" के नाम से जाना जाता है । प्रत्येक प्रणाली के भीतर सूइयों के कई आकार होते हैं । प्रत्येक आकार के लिए कई प्वाइंट शैलियाँ होती हैं ।

समान वस्तु

4. आवेदक ने दावा किया है कि याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं एवं चीन जन. गण. से निर्यातित वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। वास्तविक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन और टैरिफ वर्गीकरण इत्यादि जैसे मानदण्डों के संदर्भ में दोनों उत्पादों की विशेषताएं तुलनीय हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु अनिवार्य उत्पाद गुणधर्मों के रूप में चीन जन. गण. से आयातित वस्तु के साथ तुलनीय है। घरेलू उद्योग द्वारा पेशकश की जा रही वस्तु चीन जन. गण. से आयातित वस्तु के समान वस्तु है।

घरेलू उद्योग एवं उसकी स्थिति

5. यह याचिका मै. एलटैक बायसेल निडिल्स लि. द्वारा दायर की गयी है। भारत में विचाराधीन उत्पाद के तीन और उत्पादक हैं। कथित रूप से लगातार पाटन के कारण मै. टीवीएस सीविंग निडिल्स लि. ने प्रवालन स्थगित कर दिया है। दो अन्य उत्पादक, मै. श्मेटज़ इंडिया प्रा. लि. और मै. ग्राज़ बेकर्ट एशिया प्रा. लि. :-

- क) जर्मनी स्थित उनकी पितृ कंपनी की 100% सहायक कंपनियाँ हैं,
- ख) अपने समग्र उत्पादन का निर्यात अपनी पितृ कंपनी को करते हैं, और
- ग) अपनी संबंधित जर्मन पितृ कंपनियों से समस्त सूइयों का आयात भारत में पुनः बिक्री हेतु करते हैं।

6. अतः याचिका में प्रदत्त सूचना के अनुसार एलटैक बायसेल निडिल्स लि. का उत्पादन जाँच अवधि के दौरान भारतीय उत्पादन का 100% बनता है। अतः वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ आवेदक “घरेलू उद्योग” हैं। इसके अतिरिक्त, पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3)(क) के अनुसार आवेदक घरेलू उद्योग की ओर से पाटनरोधी जाँच हेतु मामला दायर करने की स्थिति में है।

शामिल देश

7. वर्तमान जाँच में शामिल देश चीन जन. गण. है।

सामान्य मूल्य

8. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि चीन जन. गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए और इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए। जाँच की शुरुआत के चरण में प्राधिकारी ने बिक्री, सामान्य तथा प्रशासनिक लागत हेतु विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन की लागत और लाभ को सामान्य मूल्य के आधार के रूप में माना है। चीन के निर्यातक इस अवधारणा का खंडन कर सकते हैं और प्राधिकारी संगत नियमावली के अनुसार निजी निर्यातकों के बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जाँच करेंगे।

निर्यात कीमत

9. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत का निर्धारण निम्नलिखित आधार पर किया गया है :-

- क) गौण स्रोतों (आईबीआईएस) से एकत्र किये गये सौदेवार आयात आंकड़े
- ख) डीजीसीआई एंड एस से आयात सूचना सार और
- ग) चीन के सीमाशुल्क प्राधिकरण द्वारा प्रकाशित सूचना

10. डीजीसीआई एंड एस और आईबीआईएस के मामले में कारखाना द्वार निर्यात कीमत निकालने के लिए निर्यातक देश में समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, अंतर्देशीय भाड़ा के संबंध में कीमत समायोजन किया गया है। आवेदक ने किसी समायोजन के बिना चीन के सीमाशुल्क प्राधिकरण के आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत का दावा किया है। आवेदक द्वारा दावा की गयी निर्यात कीमत के संबंध में पर्याप्त प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं।

पाटन मार्जिन

11. सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की तुलना कारखाना द्वार स्तर पर की गई है जिससे संबंध देश के संदर्भ में पर्याप्त पाटन मार्जिन प्रदर्शित होता है। इस बात के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं कि चीन में संबंध वस्तुओं का सामान्य मूल्य कारखाना द्वार निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्ट्या यह संकेत मिलता है कि चीन जन. गण. के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में संबंध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

12. आवेदक ने वास्तविक क्षति से संबंधित विभिन्न मापदंडों पर सूचना प्रस्तुत की है। सूचना के विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि जाँच अवधि में संबंध देश से आयातों में सापेक्ष रूप से तथा भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में वृद्धि हुई है। बाजार हिस्से में कमी, घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट, निवेश पर आय और नकद लाभ में अत्यधिक क्षरण जैसे विभिन्न आर्थिक मापदण्डों से प्रथम दृष्ट्या सामूहिक एवं संचयी रूप से यह संकेत मिलता है कि चीन जन. गण. से संबंध वस्तु के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

पाटनरोधी जांच की शुरुआत

13. उपर्युक्त पैराग्राफों के मद्देनजर निर्दिष्ट प्राधिकारी यह पाते हैं कि चीन जन. गण. से संबंध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति और पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के प्रथम दृष्ट्या साक्ष्य मौजूद हैं। प्राधिकारी किसी कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण करने के लिए उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन और परिणामी क्षति का पता लगाने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने जिसे लगाए जाने पर वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए एतद्वारा जाँच शुरू करते हैं।

जांच की अवधि (पीओआई)

14. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि जनवरी, 2009 से दिसम्बर, 2009 (12 माह) की है। तथापि क्षति जांच अवधि में 2006-07, 2007-08, 2008-09 और जाँच अवधि शामिल है।

सूचना प्रस्तुत करना

15. संबंध देश के ज्ञात निर्यातकों, उनके दूतावास के जरिए उनकी सरकार, भारत में इस जांच से संबंधित समझे जाने वाले आयातकों और घरेलू उद्योग को निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से संगत

सूचना प्रस्तुत करने के लिए और निम्नलिखित पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को अपने विचारों से अवगत कराने के लिए अलग से लिखा जा रहा है :-

निर्दिष्ट प्राधिकारी
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
भारत सरकार
कमरा नं. 243, उद्योग भवन
नई दिल्ली-110107

16. नियमावली के नियम 6(7) के संदर्भ में, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्राधिकारी को प्रस्तुत की गई किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित होता है और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकार के विचार से ऐसी सूचना का सारांश तैयार करना संभव न हो तो उसका कारण बताते हुए एक विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

17. उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(5) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी जांचाधीन वस्तु के औद्योगिक प्रयोक्ताओं तथा प्रतिनिधिक उपभोक्ता संगठनों को भी अवसर प्रदान कर रहे हैं जो पाटन, क्षति तथा कारणात्मकता से संबंधित जांच से संगत सूचना उपलब्ध करवा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी जांच से संगत अपने अनुरोध नीचे निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रस्तुत कर सकता है।

समय सीमा

18. वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना लिखित में भेजी जाए जो प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन (चालीस दिन) के भीतर पहुँच जानी चाहिए। तथापि ज्ञात निर्यातकों एवं आयातकों जिन्हें अलग से लिखा गया है, को यह सूचना उन्हें भेजे गए पत्र की तारीख से चालीस दिन के भीतर भेजनी होगी।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

19. नियम 6(7) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी एक सार्वजनिक फाइल रखते हैं। कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय सारांश वाली उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****INITIATION NOTIFICATION**

New Delhi, the 19th May, 2010

Subject : Initiation of anti-dumping investigation concerning imports of Sewing Machine Needles, originating in or exported from China PR.

No. 14/10/2010-DGAD.— Whereas M/s. Altek Beissel Needles Limited – Kelambakkam, Kanchi (herein after referred to as the applicant), has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (herein after referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred to as the Rules), alleging dumping of Sewing Machine Needles originating in or exported from China PR (herein after referred to as “subject country”) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

2. And whereas, the Authority finds sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from China PR and injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury, the authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping and consequent injury to the domestic industry in terms of Rule 5 of the said Rules to determine the existence, degree, and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

Product under Consideration

3. The product under consideration in the present investigations is Sewing Machine Needles. The scope of the product under consideration includes sewing machine needles meant for both household and industrial purposes. Under each of the two groups of Sewing machine needles, there are various sizes, and point style (normal, ball point, leather point etc.) There are many types of needles, which are used for sewing woven, knit garment, leather, embroidery etc. The different needles are known by “Systems”. Within each System, there are many sizes of needles. For each size there could be many point styles.

Like Article

4. The applicant has claimed that there are no known differences in subject goods produced by the petitioner and exported from China PR. Both products have comparable characteristics in

1945 GI/10-2

terms of parameters such as physical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications and tariff classification, etc. The goods produced by the domestic industry are comparable to the goods imported from China PR in terms of essential product properties. The goods offered by the domestic industry are like article to the goods imported from China PR.

Domestic Industry and Standing

5. The petition has been filed by M/s Altek Beissel Needles Limited. There are three more producers of the product under consideration in India. M/s. TVS Sewing Needles Limited has suspended operations, allegedly as a result of continued dumping. The other two producers, M/s. Schmetz India Private Ltd and M/s. Groz Beckert Asia Private Ltd. are: -

- a) 100% subsidiaries of their parent company in Germany,
- b) export their entire production to their parent company, and,
- c) import all needles from their respective German parent companies for re-sale in India.

6. Therefore, according to the information provided in the petition, the production of Altek Beissel Needles Limited constitutes 100% of Indian production during the period of investigation. Thus, the applicant constitutes "domestic industry" for the purpose of the present investigations. Further, the applicant has the standing to file the case for anti dumping investigation on behalf of domestic industry as per Rule 2(b) and Rule 5(3)(a) of Anti Dumping Rules.

Country Involved

7. The country involved in the present investigation is **China PR**.

Normal value

8. The petitioner has claimed that China PR should be treated as non-market economy and therefore the Normal Value should be determined in accordance with Para 7 of Annexure-I of the AD Rules. The Authority at the stage of initiation has considered the cost of production in India duly adjusted for selling, general and administrative cost and profit as the basis of normal value. Individual Chinese exporters may rebut this presumption and the authority shall examine the market economy claims of individual exporters in terms of the relevant Rules.

Export Price

9. Export price of the subject goods from the subject country has been determined on the basis of

- (a) Transaction-wise import data collected from Secondary Sources (IBIS),
- (b) Summary imports information from DGCI&S and
- (c) Information published by the China Customs.

10. In case of DGCI&S and IBIS, adjustments have been made on account of ocean freight, marine insurance, inland freight, etc. in the exporting country to arrive at ex-factory export price. The applicant has claimed export price based on China customs data without any adjustments. There is sufficient prima facie evidence with regard to export price claimed by the applicant.

Dumping Margin

11. Normal value and export price have been compared at ex-factory level, which shows significant dumping margin in respect of the subject country. There is sufficient evidence that the normal value of the subject goods in China is significantly higher than the ex-factory export price indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by exporters from China into the Indian market.

Injury and Causal Link

12. The applicant has furnished information on various parameters relating to material injury. Analysis of the information shows that imports from subject country have increased in the period of investigation in absolute term as also in relation to production and consumption in India. Various economic parameters like the loss in market share, significant decline in the profitability of the domestic industry, significant deterioration in return on investment and cash profit, prima facie, indicate collectively and cumulatively that the domestic industry has suffered material injury on account of dumped imports of subject goods from China PR.

Initiation of Antidumping Investigations

13. The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, finds that sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from the China PR, injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury exist. The Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rule 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

Period of Investigation (POI)

14. The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is January 2009 – December 2009 (12 months). The injury investigation period will, however, cover the period 2006-07, 2007-08, 2008-09 and the POI.

Submission of Information

15. The known exporters in the subject country, the Government through their Embassy, the importers in India known to be concerned with this investigation and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority at the following address:

The Designated Authority
Directorate General of Anti Dumping & Allied Duties,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce,
Government of India,
Room No. 243, Udyog Bhavan,
New Delhi – 110007.

16. In terms of Rule 6(7) of the Rules, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Designated Authority may record findings on the basis of facts available and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

17. As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation and to representative consumer organizations, who can furnish information relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

Time Limit

18. Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately.

Inspection of Public File

19. In terms of Rule 6(7), the Designated Authority maintains a public file. Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by interested parties.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority